शिन्ता ग्राम पंचायत, कोटा, बूंदी के समारोह में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

आज हमारे लिए बड़े सुख का अवसर है। आज तेजा जी महाराज, डाकिया जी महाराज और नन्दी भगवान की कृपा हम सब पर हुई। इस शिन्ता गांव से मेरा बहुत पुराना और निकट का संबंध है। इस गांव में आज यहां के सरपंच के नेतृत्व में विकास के नए आयाम खड़े हुए हैं। इस एक पंचायत में चार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य हुए हैं, जो अपने आप में एक एतिहासिक रिकॉर्ड है। अगर आप पंचायत बनने के बाद से अभी तक के समय को जोड़ लें तो चार करोड़ रुपये के काम कभी नहीं हुए। हमारे पूर्व सरपंच लगातार गांव के विकास के लिए लगे रहते हैं, मेरे गांव का विकास कैसे हो, मेरा गांव शहर के नजदीक है, लेकिन शहर की जैसी सुविधाएं यहां पर हो, इसके लिए उनका लगातार प्रयास रहता है।

एक जन प्रतिनिधि का यही दायित्व होता है कि अपने क्षेत्र की जनता की बुनियादी आवश्यकताओं की बात भी करे और उनके सुख-दु:ख में भी भागीदार हो। कोई अभाव हो, कठिनाई हो, कोई समस्या हो, तो लोगों को भरोसा रहे कि अगर कोई बात होगी तो फलां गांव का सरपंच साथ है, वह सब संभाल लेगा। यह विश्वास जनता में होनी चाहिए और इस विश्वास पर सरपंच साहब को भी खरा उतरना चाहिए। एक जनप्रतिनिधि का यही दायित्व होता है कि वह जनता के सुख-दु:ख, अभाव में उनके साथ खड़ा रहे। उनके अभावों को दूर करे और गांव की समस्या का भी समाधान करे। आप इसे निश्चित मानो, यह तो शुरुआत है, कोई अंतिम पड़ाव नहीं है। अभी इस पंचायत का और विकास करेंगे। इस पंचायत के विकास को शहर के विकास के समकक्ष खड़ा कर देंगे, ताकि संस्कृति गांव की लगे, आचार-विचार गांव के, लेकिन विकास आधुनिक शहर जैसे होंगे। आज भी हमारे गांव की यह संस्कृति है कि हम मिल-जुलकर काम करते हैं, यहां 'वसुधैव कुटुम्बकम्' होता है। हर पंचायत का गांव अपने को एक परिवार समझता है, पर शहर में अभी यह बात नहीं है। शहर में तो एक बंगला से दूसरे बंगले को पता नहीं होता, इसलिए हमें अपनी संस्कृति और संस्कार तो गांव के ही रखने हैं, लेकिन विकास की सुविधाएं शहर की हों, हमारे बच्चों के लिए अच्छे स्कूल हो, हॉस्पिटल हो, पीने का पानी हो, रोड हो, जो बुनियादी आवश्यकताएं हैं, वे पूरी हों। जो कुछ भी कमी होगी, उसे पूरा करने के लिए हमारे विधायक महोदय लगातार प्रयास करते रहते हैं।

वे लगातार इस शींता गांव में आपसे संपर्क में रहते हैं। प्रधान जी आते रहते हैं और मैं आपके साथ हमेशा खड़ा हूँ आधी रात को खड़ा हूँ। कोई भी समस्या हो, कोटा से ले कर दिल्ली तक, दिल्ली से ले कर चेन्नई तक, चेन्नई से ले कर रामेश्वरम तक और रामेश्वरम से ले कर गुजरात तक पूरा देश आपका है। आप चिंता मत करो। देश में किसी भी स्थान के अंदर कोई समस्या या कठिनाई आए, मैं आपके साथ खड़ा हूँ, मैं आपके लिए जिम्मेदार हूँ। आपने जो प्यार दिया, स्नेह दिया, आशीर्वाद दिया, मैं हमेशा आपके स्नेह और आशीर्वाद को नतमस्तक करता हूँ। यह प्यार बहुत पुराना है, यह आशीर्वाद बहुत पुराना है। मेरा आना-जाना कम रहता है। लेकिन शींता मेरे दिल में है, मेरे दिमाग में है और इसलिए मैं इसको भूलता नहीं हूँ। हमारी पुरानी यादें अविस्मरणीय हैं, हमेशा याद रहती हैं। आप निश्चित मानें कि कोई समस्या या कोई कठिनाई जो कुछ भी बची है, उसको भी दूर करेंगे। समय लग सकता है, लेकिन इस गांव में विकास का एक मॉडल खड़ा कर देंगे कि शींता पंचायत, कोटा, बूंदी के विकास की सबसे अच्छी

और सबसे समृद्ध विकसित पंचायत है। मैं आपसे यही निवेदन करना चाहता हूँ। आज मुझे आने में देरी हुई। मुझे बताया गया, प्रधान जी ने बताया कि बहुत बड़ी संख्या में लोग इंतज़ार कर रहे हैं, लेकिन मुझे आने में देरी हुई। आप जब भी बुलाएंगे, मैं फिर आऊंगा।